₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 84; 05/03/2019

बिषय सूची

चोउर मुर्ख कथा	1
सोबी केआं सुखी मेहणु	2
यक दुआ	2
धन्यवादे प्रार्थना	3
दुष्ट आधिवाड़े	4
लखे टके बोके	4

खास दन

तुसी सोभी पुरे तुबारी टिमे कनरा उनोणी के त नौउ रात्री बधे।

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस पढ़ान्ते ।

चोउर मुर्ख कथा

सुआ टेम पेहलकण बोक भो। यक राजा थिआ। तसे मन अन्तर यक बोक आई। से सोचुण लगा कि संसार अन्तर त मुर्खी के कोई कमि नेई। पर अउं चोउर मुर्ख हेरण चहांता। राजे अपु बजीर जे बोलु, " तु गा त चोउर मुर्ख ईं तोपण, जेन्के ईं दोका कोई न भोल।" बजीरे बोलु, 'जे अज्ञा, राजा जी! सच्चे मन जुए तोपणे बाड़ी, की न मेतू? तोउं से घेई गा।

सुआ दूर घेइ कई तस यक मेहणु का। जे यक मंगाई कई मिठई, सुट, दुपटा त सुआ समान नी कई होर ग्रां जे घेण लगो थिआ। बजीरे तेस मेहणु केंआ पुछू, "कि बारा! अतो समान घिन कइ को जे गोओ असा। से अतो

खुश थिआ त कि तसे खुर भीं टिगोरे न थिए। "तें अतो खुश भुणे बझह अउं जाणण चहांता। छने, मोउं बताण दिए ना। बजीरे बोलु। तेन मेहणु बोक टालणे सुआ कोशिश की, किस कि से अपु जगाई झठ पुजण चहांताथ। पर बजीरे से घेण न दिता त बार बार तेस केंआ पुछ्ण लगा। से मेहणु बोता "मोउं चेरे भो असु त घेण दे।" पर बजीरे से घेण न दिता त तेस केंआ पुछता रेहा। अखिरकार, तेन मेहणु बोलु "मोउं चेरे असु, पर फिर बी अउं तउ बतांता। मैं जुएली दोका धाणि रखो असा। से दुहे जेई आज ब्याह् करण लगो असे। अउं तेन्के ब्याहे धाम खाण जे गओ असा।" बजीरे सोचु, अस केआं बध मुर्ख होर कऊं भुन्ता? तउं बजीरे तेस जे बोलु, "अउं राजे बजीर भो। हंठ राजे दरवार। तउ अउं राजे केई नेता। पहले तु राजमहल चल, तढ़िया पता गा तु धाम खाण जे। राजे नउ शुण कई से मेहणु डर गा। पर तेस विचारे मजवूरन बजीर जोइ राजेमहल घेण जे तियारी गा।

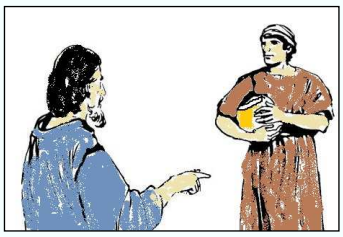

बजीर त से मेहणु हंठते-हंठते घेण लगे। अगर घेई कइ बथ तेन्ही यक मेहणु घोडी पुठ अओ का। से अपफ त घोडी पुठ बिशो थिआ पर तसे मगरी पुठ बोडी गठड़ी थी। बजीरे तेस मेहणु केंआ पुछू, "की बारा भाई! अ कि ममला असा? अपु मगरी पुठि भार तु अपु घोडी पीठ पुठ किस न छता बे।"

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

तेन मेहणु बोलु! "में घोडी गभुरवाली असी। इस टेम असे पीठ पुठ अतो भार रखुण ठीक नेई। अ मोउं डिलुण लगो असी, एइए काफी असु।" बजीरे से मेहणु बी अपफ जोई सथियर छड़ा।

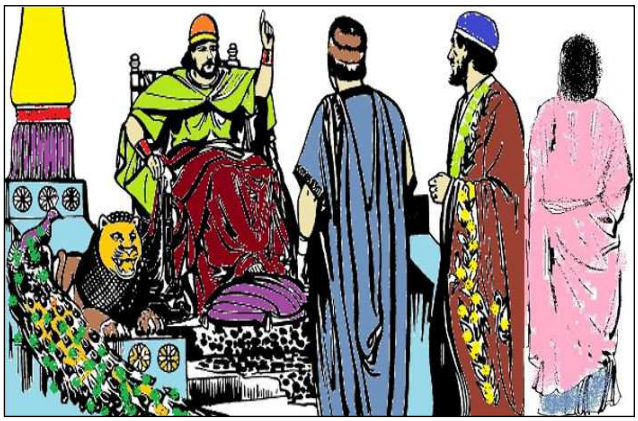

अब बजीर दुहि मेहणु साते नी कई राजमहल पुज गा। बजीरे दुहे मेहणु राजे अगर आणन्ते त बोलु, "राजा साहब! इ चोउरे मुर्ख तुं सामड़ी असे। राजे बोलु, "अ त दुइए जेइ असे। होरे दुई कोठि असे?" बजीरे झठ बोलु, "टेका मुर्ख तुस अपफ असे। जेस ईं मुर्खी हेरणे जरुरत पड़ी। होर, चोंथा मुर्ख अउं जे अन्ही मुर्खी तोप कई तुसी केई घिन आ।" राजा बजीरे बोक शुण कइ खुश भोई गा। राजे जपल तन्हि दुहि मेहणु के बारे पूरी कहानी बजीर केआं शुणी त हँस-हँस कइ फुटि गा।

सोबी केआं सुखी मेहणु

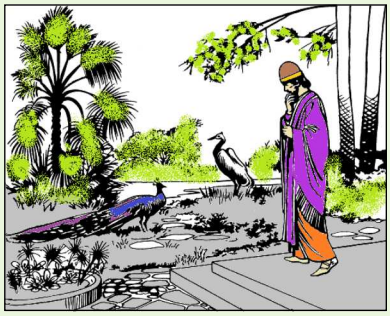

मते रोज पेहले यक राजा थिआ। तस केआं ज्यादा रुपेई होर केसे केईं नेओथ। तेस केआं सुआ जिम त बग थिए। त से अपु मरजि जुएइ राज कताथ। पर से कदी खुश न भुन्ताथ कि तस केईं एति चीज असी।

यक रोज से अपु नौखर जे बोता "तु धिक धरति घुम आई। इस कोणे केआं त ओस कोणे तकर। अगर कोई खुश बन्दा मेआल त तसे चलण इए घिन आई। यक लिंग अगर तसे चलण मोउं मेआल त अउं बि खुश भोई घेन्ता त रोज खुश रेहन्ता। पर अगर तु बजन चलणे आ त तें म्युकुड़ अउं इठ टंगांता"।

से नौखर अपु झोड़ा जुड़ हेरता त घेई घेन्ता। से सुआ दुर घेन्ता त तसे कोई नोऊ, दश मेहने भोई घेन्ते। राजा बि तस भाड़ि-भाड़ि कइ थक गो थिआ। त यक रोज से अपु महल केआं हेरता कि कोउं लोटिण दी-दी कइ एण लगो सा। त से जपल भेड़ पुजता त राजे पता लग घेन्ता कि ए से नौखर भिन्थ। राजा हेरता कि तस नौखरे हथ खालि असे। त तेस लेहर एई घेन्ति।

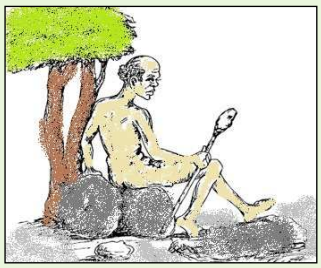

से बेहर घेई कइ तेस नौखर जे बोता "तोउ केईं यक मिनट टेम असा अपु सफाई देण जे कि तेईं चलण किस नेई अण्हो"। से नौखर बिचारा लेरो-लेहयर भोई कइ बोता "महाराज, मोउं यक बन्दा मेओ थिआ जे कि हमेशा खुश रेहन्ताथ। त राजा बोता, अच्छा! त तेसे चलण किस न अण्हा तेईं"? से नौखर बोता, "महाराज, जे मेहणु हमेशा खुश रेहन्ता, से यक गरीब वंदा असा, तस केईं कोई चलण नेओथ।

<u>कुछ बझई जोई तुबारि पत्रिका अगले दुई मेहने ना छपती। सोबी ट्यारे पाठक जे तुबारि टीम दुख जतान्ता।</u>

यक दुआ

"ए परम पिता, तें नोउए बोडी इज्जत भो त तुं इच्छा इस धरती पुठ पुरी लौती भो। हें दिन भइ रौठि हर रोज हें धे दिआ करे, त हें सोब पाप माफ करे, किस कि असी बि होरे मेहणु माफ किओ असे, जे हें विरोध कते। त परीक्षा अन्तर असी पाप करुं केआं बचाई रख।"

धन्यवादे प्रार्थना

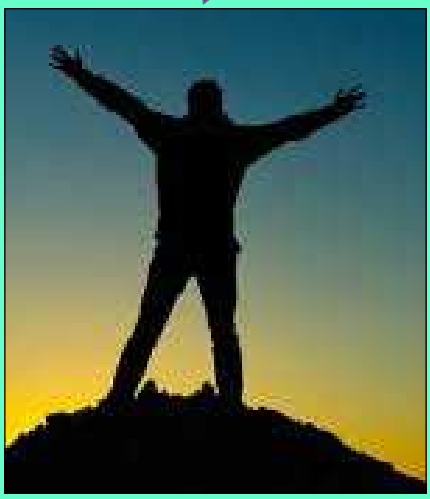

अउं हर बक्त परमेश्वर जे धन्यवाद बोता रेहंता,
तसे गुणगान लगातार में मुँहे बइ भुन्ति रेहंती।
अउं परमेश्वर पुठ घमण्ड कता,
शरीफ मेह्णु ईं शुण कइ खुश भुन्ते।
मोउं जोई साते परमेश्वरे जई करे,
त एईंए अस मीइ कइ तसे नउए स्तुति करु!
अउं परमेश्वरे भेएड़ गा, तिखेईं तेन में शुण छइ,
त अउं पूरी रीत जोई नडर कइ छड़ा।
जेन्हि तसे कना जे नजर की, तेन्हि रोशनी मेईं,
त तेन्के मुँह काणा कदि ना भुन्ता।
इन दुखी मेह्णु हक दीती, तिखेईं परमेश्वरे शुणी छइ,
त से तसे सोबि कष्टी केआं बचाई छड़ा।
परमेश्वर हेर डरणे बाड़ी के चोहरो कना तसे दूत पेहरा लाई कइ तेन्हि बचांता।
परखी कइ हेरे कि परमेश्वर कतो भला असा!
कतो धन्य असे से मेह्णु जे तसे खुर पड्डे एन्ता।
ए परमेश्वरे शुचे मेह्णुओ, तस हेर डरे!
किस कि तसे हेर डरणे बाड़ी केसे चीजी घटी ना भुन्ति!
जुवान शेरी त घटी भुन्ति त से ढुके बि रेही घेन्ते,
पर परमेश्वर तोपणे बाड़ी केसे खरी चीजी घटी ना भुन्ति।
ए कोईओ, एईंए में शुणे, अउं तुसी परमेश्वरे हेर डरुण शिचालता।
से कोउं मेह्णु असा जे जिन्दगी इच्छा रखता,
त लम्मी उमर चाहांता ताकि भलाई हेर सकियाल।
अपु जिभुड़ बुराई करण केआं रोक रख,
त अपु मुँहे ख्याल रख कि तेस अन्तरा छले बोके ना निसेल।
बुराई छड़ दे त भलाई कर, मेल मिलाप कर त तसेरी पता हंठ।
परमेश्वरे टीर धर्मी मेह्णु पुठ लगोरे रेहंते, त तसे कन बि तेन्के दुहाई कना जे लगोरे रेहंते।
परमेश्वर बुराई करणे बाड़ी हेर मुँह खरकई छता, ताकि तेन्के याद धरती पुटा खतम भोल।
धर्मी मेह्णु दुहाई देन्ते त परमेश्वर शुणता, त तेन्हि हरेक किसमी बपताई केआं बचांता।
परमेश्वर टुटो मन बाड़ी के साते बिश्ता, त भुंजो मेह्णु छुड़ान्ता।
धर्मी मेह्णु पुठ सुआ बपता त एन्ती, पर परमेश्वर तेस तेन्हि सोबी केआं अजाद कइ छता
से तसे अलोटे रक्षा कता, त तेन्हि अन्तरा यक बि ना टूटता।
दुष्ट त पापी मेह्णु अपु बुराई बेलिए मरी घेन्ता, त धर्मी मेह्णु के बैरी पुठ दोष लगता।

दुष्ट आधिबाड़े

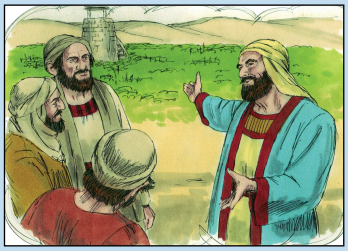

केनि यक मेह्णु दाछि डाई के बगिंचा ला। तसे चोहरो कना बाड़ बन्ह छड़ा, त दाछि रस किढ़ुण जे पलण अन्तर खपोर बणा, त पेहरा देण जे छपिर बणाई कइ मेह्णु के धे आधी दी कइ परदेश जे घेई गा।

तोउं, फले टेम तेन आधिबाड़ी केईं अपु यक नौखर लंघा कि तेन्हि केआं अपु आधि घिन एईयाल। पर तेन्हि से टाई कइ मडा त खाली हथ लंघाई छड़ा। पता, तेन यक होरा नौखर तेन्हि केईं लंघा; तेन्हि तसे मगिर भन्नि त सुआ बेजति की। त तेन यक होरा लंघा; तेन्हि से मार छड़ा। पता तेन सुआ जेईं लंघे; तेन्हि अन्तरा आधी के मडी-मडी बुरे हाल कइ छड़े त आधे जेईं मार छड़े।

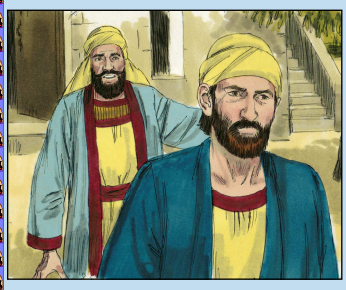

अखिर अन्तर, यके जेईं रेही गो थिआ, जे तसे ट्यारा कुआ थिआ; पता तेन से तेन्हि केईं ईं सोच कइ लंघा कि से में कोये इज्जत करियेल। पर तेन्हि आधिबाड़ी अपफ बुच बोक विचार किआ, 'एईए त हकदार भो; चले, अस एस मार छते। तोउं ए पूरु हें भोई घेन्तु'। तोउं तेन्हि से टाई कइ मार छड़ा, त दाछि बगिंचा केआं बाहर फटाई छड़ा।

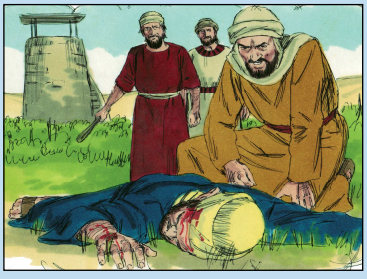

त बोले, बगिंचे मालिक की कता? से एई कइ तेन्हि आधिबाड़ी मुकाई छता, त दाछि बगिंचा केसे होरी के धे दी छता।"

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

लखे टके बोके

- समझदार मेह्णु के मन अन्तर यके धमकी बेलि असर भोइ घेन्ता, पर मुर्ख मेह्णु मन पुठ सोउ लिंगि मार खाणे बेलि बि असर ना भुन्ता।

- बुरा मेह्णु हमेशाई झगड़े फसाद करणे कोशिश कता, तोउं त तेस केईं धुर्त दूत लघेईंता।

- जे मेह्णु भलई बदले बुराई कता, तसे गीहा बुराई कदि दूर ना घेन्ती।

- झगड़ा शुरु करण हाउदे पणि ईं असु, झगड़ा बधण केईया पहेलेई छड़ देण।

- जे दोषी मेह्णु नरदोष, त नरदोषी मेह्णु दोषी ठहेरांते, तेन्हि दुहि हेर परमेश्वर नफरत कता।

- मतर हर बक्त परेम जुएई बिश्ता, त बपताई टेम भाई बण घेन्ता।